

अनौपचारिकसंस्कृतशिक्षणम् Non-Formal Sanskrit Education



मार्गदर्शिका Guideline



2023 - 24

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

(संसदः अधिनियमेन स्थापितः)

राष्ट्रीयमूल्याङ्कनपरिषदा ए++ श्रेण्यां प्रत्यायितः

नवदेहली

Central Sanskrit University

(Established by an Act of Parliament)

Accredited by the NAAC with grade A++

New Delhi

पुरोवाक्

भारतीय ज्ञान-विज्ञान तथा दर्शन की शास्त्रीय परम्परा को चिरकाल से पुष्ट करने वाली संस्कृत भाषा के अध्ययन हेतु सभी वर्गों के लोगों के द्वारा आकाङ्क्षा प्रकट की जाती रही है। परन्तु औपचारिक शिक्षा व्यवस्था तथा कार्यालयीय नियमों/बन्धनों के कारण उत्सुक व्यक्तियों का भी संस्कृत का अध्ययन सम्भव नहीं हो पाता है। अत एव जन आकाङ्क्षाओं की पूर्ति हेतु भारत शासन के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के तत्त्वावधान में सञ्चालित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा देश के उत्कृष्ट अभियांत्रिक, चिकित्सकीय, एवं संगणकीय शिक्षा संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में “अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों” का सञ्चालन किया जा रहा है। इन केन्द्रों में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रकाशित सचित्र पाठ्यसामग्रियों के माध्यम से प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा सरलतम पद्धति से संस्कृत भाषा सिखाई जाती है।

संस्कृत भाषा/शास्त्रों में सन्निहित ज्ञान-विज्ञान के उद्घाटन, भारतीय संस्कृति के अवगमन, तथा राष्ट्रिय एवं उत्कृष्ट मानवीय मूल्यों के समुन्नयन में यह केन्द्र अवश्य ही उपयोगी सिद्ध होगा।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सञ्चालनार्थ विशेष प्रयत्न करने वाले सभी अधिकारियों का मैं हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

Sd/-

प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी

कुलपति

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों हेतु दिशा-निर्देश

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप बहुत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरलतम प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की सङ्कल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा “अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण” का आरम्भ किया गया है।

1. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, संसद के अधिनियम के द्वारा संस्थापित बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। भारत के विभिन्न राज्यों में इसके अपने 13 परिसर हैं। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजना के अधीन 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों, 04 आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों तथा अनेकों शैक्षिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। अपने स्थापना काल 15 अक्टूबर 1970 से (तत्कालीन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान) अखिल भारत स्तर पर संस्कृत के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित यह विश्वविद्यालय, वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, न्याय, वेदान्त, मीमांसा, पुराणेतिहास, साङ्ख्ययोग, जैनदर्शन तथा बौद्धदर्शन में प्राक्शास्त्री (+2), शास्त्री (B.A.), आचार्य (M.A.) तथा विद्यावारिधि (Ph.D.) के छात्रों को यू.जी.सी. के मानक के अनुसार पारम्परिक शिक्षा प्रदान करता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी कतिपय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन करता है। इसके साथ शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) एवं शिक्षाचार्य (M.Ed.) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं। इन पारम्परिक उपाधि पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय विभिन्न राज्यों में सञ्चालित अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के द्वारा जनसामान्य को संस्कृत सिखाता है।

2. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के पाठ्यक्रमों के नाम

इन केन्द्रों में दो पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। जिनमें प्रथम पाठ्यक्रम का नाम ‘संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः’ है तथा द्वितीय पाठ्यक्रम का नाम ‘संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः’ है।

3. पाठ्यक्रम का स्वरूप

क. ये क्रेडिट आधारित अंशकालिक पाठ्यक्रम हैं।

ख. 2023-24 शैक्षिक सत्र में इनकी अवधि 15 मई 2024 तक है।

ग. पाठ्यक्रम

- I. **संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः** (8 Credits)- इस पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित **‘प्रथमा दीक्षा’** (First Level) निर्धारित है। इसमें पाँच पुस्तकें- वर्णमाला, वाक्यव्यवहारः, वाक्यविस्तरः, सम्भाषणम् तथा परिशिष्टम् हैं। इनका अध्यापन सरल संस्कृत में कराया जाता है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 120 घण्टे का समय अपेक्षित है।
- II. **संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः** (12 Credits)- इस पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित **‘द्वितीया दीक्षा’** (Second Level) के प्रारम्भिक पाँच स्तबक निर्धारित हैं। इसके अन्तर्गत **‘व्यवहारप्रदीपः’** पुस्तक में सङ्कलित संस्कृत के सुभाषित, कहानियों तथा विभिन्न प्रकार के विशिष्ट अभ्यासों के द्वारा संस्कृत के सामान्य व्याकरण की शिक्षा दी जाती है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 150 घण्टे का समय अपेक्षित है।
- III. केन्द्र में अध्यापन हेतु समय सारिणी का निर्धारण अध्येताओं की सुविधानुसार किया जा सकता है।
- IV. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा पाठ्यसामग्री (प्रथमा दीक्षा तथा द्वितीया दीक्षा) उपलब्ध कराई जाएगी।
- V. यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित संस्कृत/योग/आयुर्वेद/विविध दूरस्थशिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रगत अध्ययन हेतु अपेक्षित प्राथमिक ज्ञान प्रदान करेगा। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों में अध्ययन करने के बाद अध्येता **‘मुक्तस्वाध्यायपीठम्’** (Institute of Open and Distance Education) के द्वारा संचालित विविध संस्कृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है।

4. प्रवेशार्हता

‘संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम’ में पन्द्रह वर्ष से अधिक कोई भी संस्कृत का जिज्ञासु प्रवेश ले सकता है। सम्बन्धित संस्था के छात्र, अध्यापक, कर्मचारी तथा अधिकारी के अतिरिक्त अन्य जन-सामान्य भी प्रवेश ले सकते हैं।

‘संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रम’ में प्रवेश के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा सञ्चालित संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम’ में उत्तीर्णता आवश्यक है।

5. प्रवेश प्रक्रिया

समर्थ पोर्टल के माध्यम से अध्येताओं का प्रवेश होगा, एतदर्थ अध्येता को <https://sanskritnfse.samarth.edu.in> इस लिंक के द्वारा अपना पंजीकरण करने के पश्चात् पाठ्यक्रम का चयन तथा आन-लाईन के माध्यम से रु. 1200/- जमा करना होगा।

6. शुल्क

नामांकन शुल्क	रु. 200/-	प्रवेश के समय कुल रु. 1200/- जमा करना होगा
पाठ्यसामग्री शुल्क	रु. 500/-	
शिक्षण शुल्क	रु. 500/-	
परीक्षा शुल्क	रु. 300/-	परीक्षा से पहले रु. 300/- जमा करना होगा
कुल		रु. 1500/-

7. परीक्षा

- I. पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद मई, 2024 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा आनलाईन के माध्यम से परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा अंक-पत्र तथा प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।
- II. परीक्षा में अनुत्तीर्ण/अनुपस्थित अध्येता अग्रिम शैक्षिक सत्र (2024-25) में वार्षिक परीक्षा शुल्क देकर परीक्षा आवेदन पत्र आनलाईन के माध्यम से भर सकता है।
- III. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के अध्येताओं को परीक्षा में उत्तीर्णता हेतु नामांकन वर्ष से अधिकतम दो वर्षों तक परीक्षा में प्रवेश हेतु अवसर दिया जाएगा। (यथा- 2023-2024 शैक्षिक सत्र में नामांकित अध्येता 2024 अथवा 2025 की वार्षिक परीक्षा में ही भाग ले सकेंगे)।

+++++

अध्येताओं के लिए सूचना

- **अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण**
 - संस्कृत भाषा वैज्ञानिकी भाषा है। संस्कृत वाङ्मय में कृषि, कला, साहित्य, विज्ञान, दर्शन, प्रबन्धन, तकनीक, आयुर्वेद, विधि आदि का मौलिक ज्ञान निहित है।
 - अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के द्वारा सरलता से संस्कृत के विविध वाङ्मय में प्रवेश कर सकते हैं।
- **लक्ष्य**
 - संस्कृत के अध्ययन का शुभारम्भ।
 - संस्कृत में निहित विज्ञान एवं साहित्य का परिचय प्राप्त करना।
 - विश्व में वैज्ञानिक भाषा के रूप में प्रख्यात संस्कृत का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना।
- **शिक्षणविधि**
 - प्रत्यक्ष (Communicative) पद्धति।
- **पाठ्यक्रम की अवधि**
 - 2023-24 शैक्षिक सत्र में 15 मई, 2024 तक।
- **प्रवेशार्हता**
 - पन्द्रह वर्ष से अधिक कोई भी संस्कृत का जिज्ञासु 'संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम' में प्रवेश ले सकता है।
 - 'संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रम' में प्रवेश हेतु 'संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम' में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
- **पाठ्यक्रम का स्वरूप**
 - ये क्रेडिट आधारित अंशकालिक पाठ्यक्रम हैं।
- **पाठ्यक्रमों के नाम एवं क्रेडिट्स**
 - संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम: (8 Credits)
 - संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रम: (12 Credits)
- **प्रवेश शुल्क**
 - रु. 1200/- (रु. बारह सौ) प्रति पाठ्यक्रम।
- **परीक्षा शुल्क**
 - रु. 300/- (रु. तीन सौ)

- आवेदन कैसे करें
 - अध्येता समर्थ पोर्टल के माध्यम से आपना विवरण भर कर नामांकन करे। उसके बाद पाठ्यक्रम का चनय कर शुल्क देकर प्रवेश लें।
- प्रवेश हेतु समर्थ पोर्टल लिंक
 - <https://sanskritnfse.samarth.edu.in>
- पाठ्यसामग्री
 - केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा पाठ्यसामग्री (प्रथमा दीक्षा एवं द्वितीया दीक्षा) उपलब्ध कराई जाएगी।
- कक्षा का समय
 - अध्येताओं की सुविधानुसार संस्था के द्वारा कक्षा की समय सारिणी निर्धारित की जाएगी।
- परीक्षा
 - पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद मई, 2024 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा आनलाईन के माध्यम से परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा अंक-पत्र तथा प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। यह पाठ्यक्रम केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित संस्कृत/योग/आयुर्वेद/विविध दूरस्थशिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रगत अध्ययन हेतु अपेक्षित प्राथमिक ज्ञान प्रदान करेगा।

†††††††

Guidelines

For Non-Formal Sanskrit Education Centres

Sanskrit language is the unparalleled treasure of Indian wisdom and culture. The resources preserved in this language are vast and manifold. A large number of Indians desire to learn Sanskrit in order to preserve and project original Indianness. It is essential to fulfil their desire by providing the knowledge of Sanskrit language through the simplest possible method and to make them aware of the knowledge well treasured in Sanskrit. Central Sanskrit University has introduced the Non-Formal Sanskrit Education in order to execute this ideal and essential objectives by providing the opportunity and facility to those who are desirous to learn Sanskrit.

1. Central Sanskrit University

The Central Sanskrit University, established by an Act of Parliament. Which is having multi-campus across the country. It has 13 constituent campuses in various states. Besides it, the Central Sanskrit University provides financial assistance to 22 Adarsh Sanskrit Mahavidyalays, 04 Adarsh Sanskrit Shodh Sansthans and many educational institutions under the scheme of Ministry of Human Resource Development, Govt. of India. Since its inception on 15th October, 1970, the Central Sanskrit University (former Rashtriya Sanskrit Sansthan) is devoted to the overall development of Sanskrit at all India level by imparting education to the students of Prakshastri (+2), Shastri (B.A.), Acharya (M.A.) and Vidyavardhi (Ph.D.) in Veda, Vyakarana, Sahitya, Jyotisha, Dharmashastra, Nyaya, Vedanta, Mimamsa, Puranetihasa, Sankhy-yoga, Jain Darshan and Bauddha Darshan traditional stream by maintaining UGC standards. It also conducts various programme through Distance Education.

In addition, the Central Sanskrit University undertakes training courses of Shiksha Shastri (B.Ed.) and Shiksha Acharya (M.Ed.). Apart from these traditional degree courses, the Central Sanskrit University undertakes Sanskrit learning programme to the public at large scale through Non-Formal Sanskrit Education Centres functioning in different states.

2. Name of Courses of studies of Non-Formal Sanskrit Education Centres

There will be two courses of studies in these centres. **First** is called “**Certificate Course in Sanskrit Language**” and **Second** is “**Diploma in Sanskrit Language.**”

3. Nature of Course of Studies

- A. It is a credit based part-time course.
- B. The duration of the course for the academic session 2023-24 will be till May 15, 2024.
- C. Course of Studies
 - I. **Certificate Course in Sanskrit Language** (8 Credits)- Prathama Diksha (First Level) Published by the Central Sanskrit University will be taught in this Course. Under it, five books are Varnamala (वर्णमाला) Vakya-vyavaharah (वाक्यव्यवहारः), Vakyavistarah (वाक्यविस्तरः) Sambhashanam (सम्भाषणम्) and Parishishtam (परिशिष्टम्). These five books will be taught in simple Sanskrit. A minimum period of 120 hours is required to complete the course.
 - II. **Diploma in Sanskrit Language** (12 Credits)- First 5 Stabakas of Dvitiya Diksha (Second Level) published by the Central Sanskrit University will be taught in this course. Sanskrit Subhashitas, Stories, different types of special exercises, simple Sanskrit grammar compiled in Vyavahara-pradeepah (व्यवहारप्रदीपः) will be also taught in this course. A minimum period of 150 hours is required for this course.
 - III. Time table of teaching at the Centre may be decided as per convenience of the students.
 - IV. Study material (Prathama Deeksha and Dvitiya Diksha) will be provided by the Central Sanskrit University, New Delhi.
 - V. This Course will provide basic knowledge for higher studies in Sanskrit/Yoga/Ayurveda/various Distance Education Programmes of Central Sanskrit University. After successfully completing the “Certificate Course in Sanskrit language” & “Diploma in Sanskrit Language”, the student will be eligible to take admission in various Sanskrit Courses which are run by ‘Mukta-Swadhyaya-Peetham’. (Institute of Open and Distance Education.

4. Eligibility for Admission

Anyone, above the age of fifteen, who is curious to learn Sanskrit is eligible to take admission in "**Certificate Course in Sanskrit Language**". The admission is open for all the students, teachers, employees and officers of the concerned institution and also family members and general public.

Only who have passed the **First Course "Certificate Course in Sanskrit Language"** conducted by the Central Sanskrit University will be eligible to take admission in the **Second Course "Diploma in Sanskrit Language"**.

5. Admission process

The admission process will be done through Samarth portal. For this, learners have to register through this link sanskritdddeadm.samarth.edu.in, after that they have to select the course and have pay Rs. 1200/- through online portal.

6. Fees

Admission Fees	Rs. 200/-	Total amount payable at the time of admission. Rs. 1200/- to be deposited.
Study Material Fees	Rs. 500/-	
Teaching Fees	Rs. 500/-	
Examination Fees	Rs. 300/-	Before the exam Rs. 300/- to be deposited
Total	Rs. 1500/-	

8. Place of Study

The place of study may be within the campus of the Institution/Centre at any nearby place according to the convenience.

9. Examination

- I. In the session 2023-24 the examination will be conducted by Central Sanskrit University, New Delhi on May, 2024 through online. The marksheet and certificates will be given to the successful learners.
- II. Learners who will become unsuccessful or will remain absent in the examination may deposit the examination form along with an examination fee to appear in the next year's (2024-25) Annual Examination through Online.

III. The learners of the Non-Formal Sanskrit Education Centres will be given two chances to pass the examination in two consecutive years only, starting from the Academic year of enrolment, e.g., the learner enrolled in the academic year 2023-24 will be entitled only to appear in the Annual Examinations in 2024 or 2025.

†††††

Information for the Learners

- **Non-Formal Sanskrit Education**
 - Sanskrit is a Scientific Language. There are so many treatises related to Agriculture, Arts, Literature, Science, Philosophy, Management, Technology, Ayurveda, Law etc. are well preserved in Sanskrit.
 - One can access the scientific knowledge inherited in Sanskrit literature by learning the language through direct communicative method at Non-Formal Sanskrit Education Centre.
- **Aim**
 - To initiate Sanskrit learning.
 - To introduce the Science and literature in Sanskrit language.
 - To get a working knowledge in illustrious Sanskrit, the Scientific Language of the world.
- **Method of Teaching**
 - Communicative method.
- **Duration of the Course:**
 - The duration of the course for the academic session 2023-24 will be till May 15, 2024.
- **Eligibility for Admission**
 - Anyone, more than fifteen years of age, who is curious about Sanskrit is eligible to take admission in 'Certificate Course in Sanskrit Language'.
 - Who have passed the First Course "Certificate Course in Sanskrit Language" conducted by the Central Sanskrit University will be eligible for admission in the Second Course naming "Diploma in Sanskrit Language".
- **Nature of Course**
 - It is a credit based Part-time course.

- **Name of Courses and credits.**
 - "Certificate Course in Sanskrit Language" (8 Credits)
 - "Diploma in Sanskrit Language" (12 Credits)
- **Enrolment Fee**
 - Rs. 1200/- (Twelve hundred rupees only) for each Course.
- **Examination Fee**
 - Rs. 300/- (Three hundred rupees only)
- **How To Apply**
 - Enroll by filling your details through Samarth Portal. After that choose the course and take admission by paying the fee.
- **Admission Link**
 - <https://sanskritnfse.samarth.edu.in>
- **Study Material**
 - Study material will be provided by Central Sanskrit University. This will include First and Second Level (प्रथमा दीक्षा एवं द्वितीया दीक्षा) books.
- **Time of Classes**
 - The time table for classes will be decided by the Institution as per convenience of the learners.
- **Examination**
 - In the session 2023-24 the examination will be conducted by Central Sanskrit University, New Delhi on May, 2024 through online. The marksheet and certificates will be given to the successful learners. This course will provide basic knowledge for higher studies in Sanskrit/Yoga/ Ayurveda/various Distance Education programmes of Central Sanskrit University.

††††††-

2022-23 सत्र का केन्द्र विवरण
Centre details of session 2022-23



सम्पर्क सूत्र/Contact

दूरवाणी संख्या : 011-3501 0602, 011-3501 0261

वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in